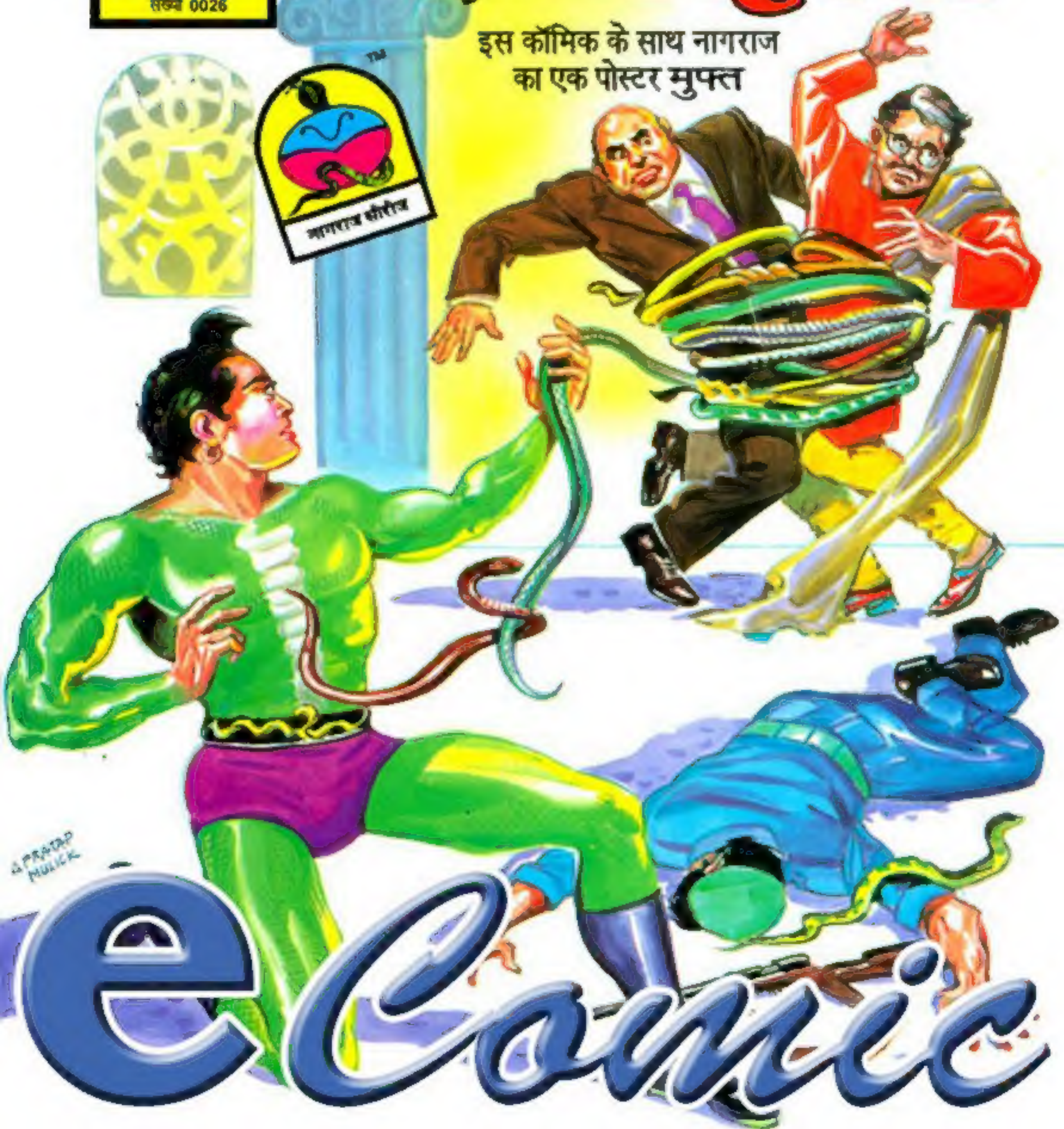




नागराज का बदला

इस कॉमिक के साथ नागराज
का एक पोस्टर मुफ्त



eComic

नागराज का बदला

चित्रकथा:
परशुराम शर्मा

चित्रांकन:
संजय अष्टपुत्रे

सम्पादन:
मनीष चंद्रगुप्त

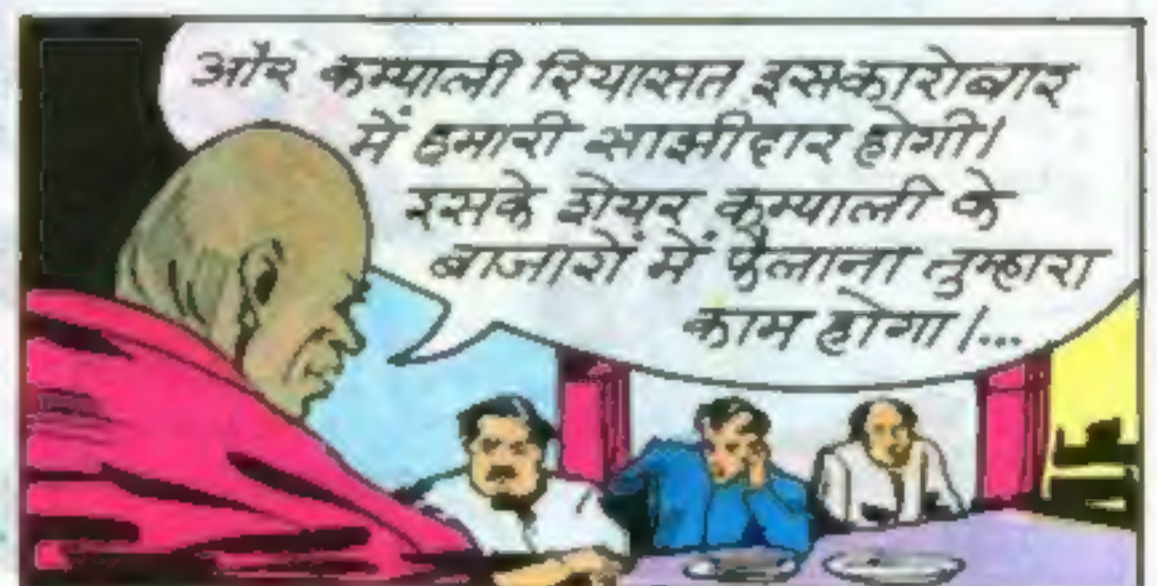


उद्यर कम्पाली हिल के किले में मीटिंग चल रही थी।

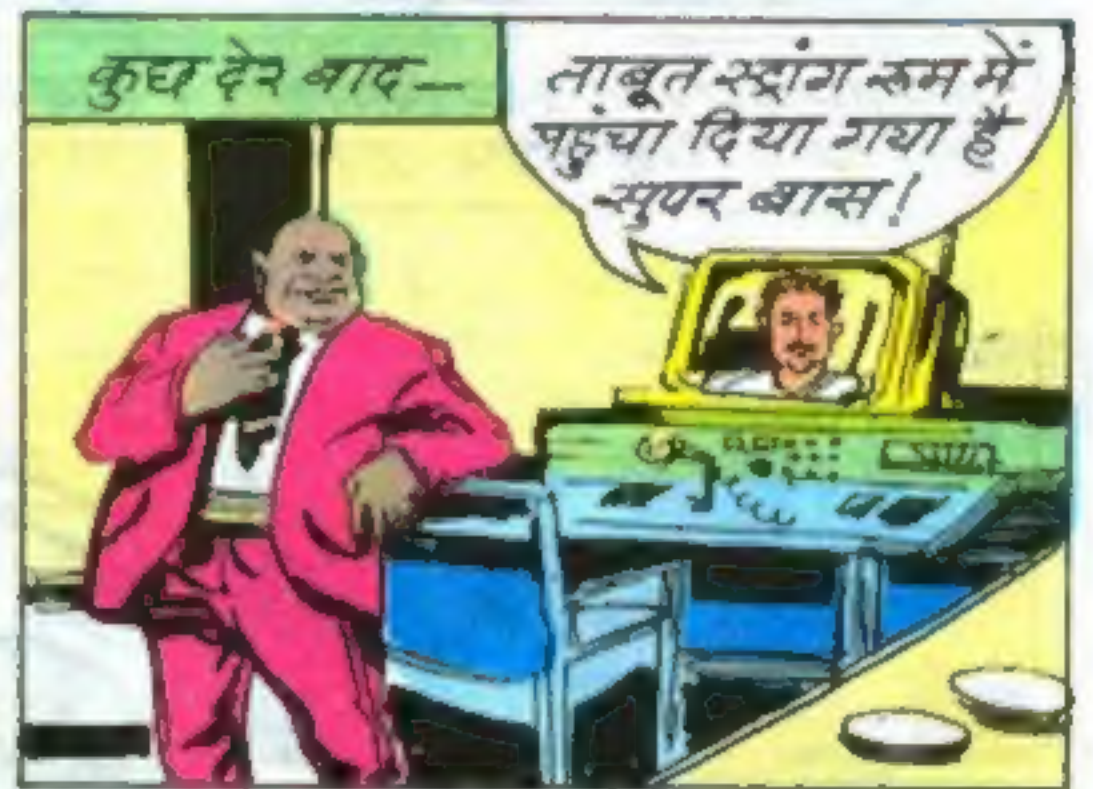
और तुम्हारे हक में भी यह बात जाती है महामंत्री किल्लोल!

कम्पाली एक आजाद रिथासत है और तीन देशों की सीमा इससे मिलती है - इससे बेहतर स्थान आपके लिये दूसरा कोई नहीं होगा मिस्टर बुलडाग!





नागराज का बदला



स्टांग रूम में डाक्टर सिमटो ने परीक्षण किया



नागराज को स्ट्रेचर द्वारा आप्रेशन रूम में ले जाया गया।



आप्रेशन रूम में डाक्टर सिमटो आप्रेशन के लिये तैयार था।

अगर मैंने इसके मुकाबले का ऐसा ही शक्तिशाली मानव तैयार कर दिया तो मैं सबसे बड़ा दौलत मंद इन्सान कहलाऊंगा।



सबसे पहले इसके ब्रेन का आप्रेशन होना चाहिये।

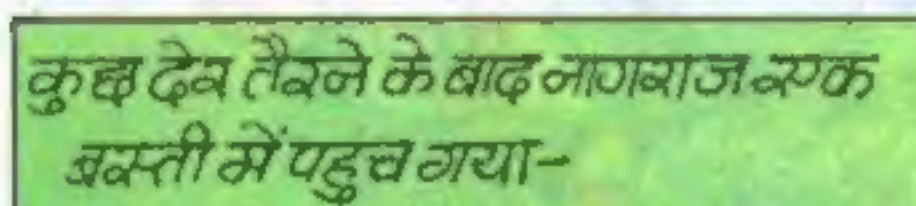
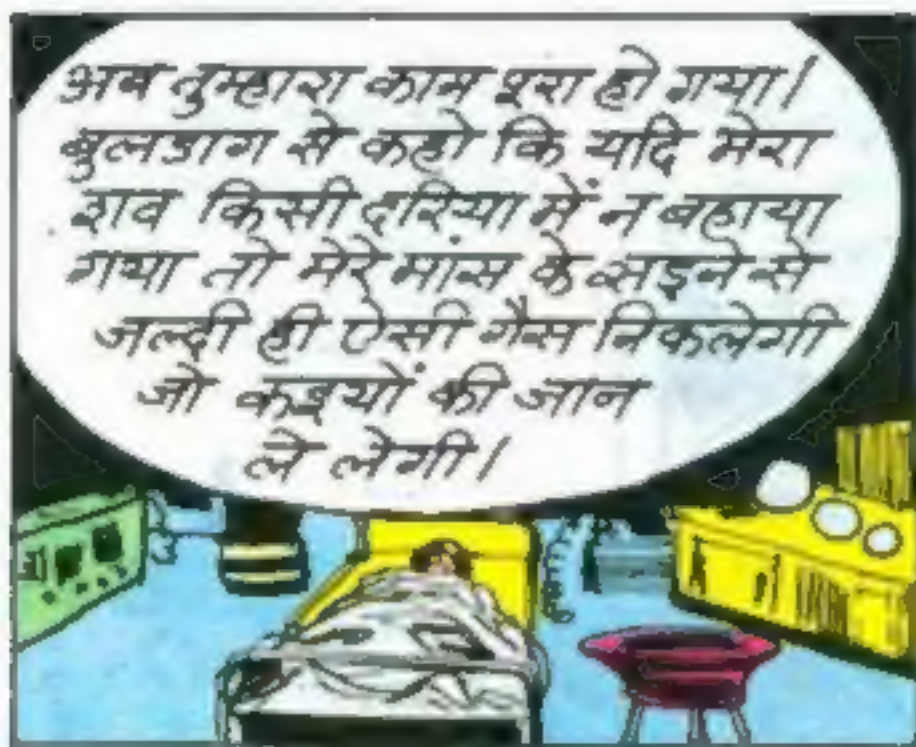


नागराज की आंखें खुल गयीं और सम्मोहन की एक प्रचंड जहर डाक्टर सिमटो की आंखों की भेदनी चली गयी



नागराज का बदला













बस्ती वालों ने नागराज को कंधों पर उठा लिया

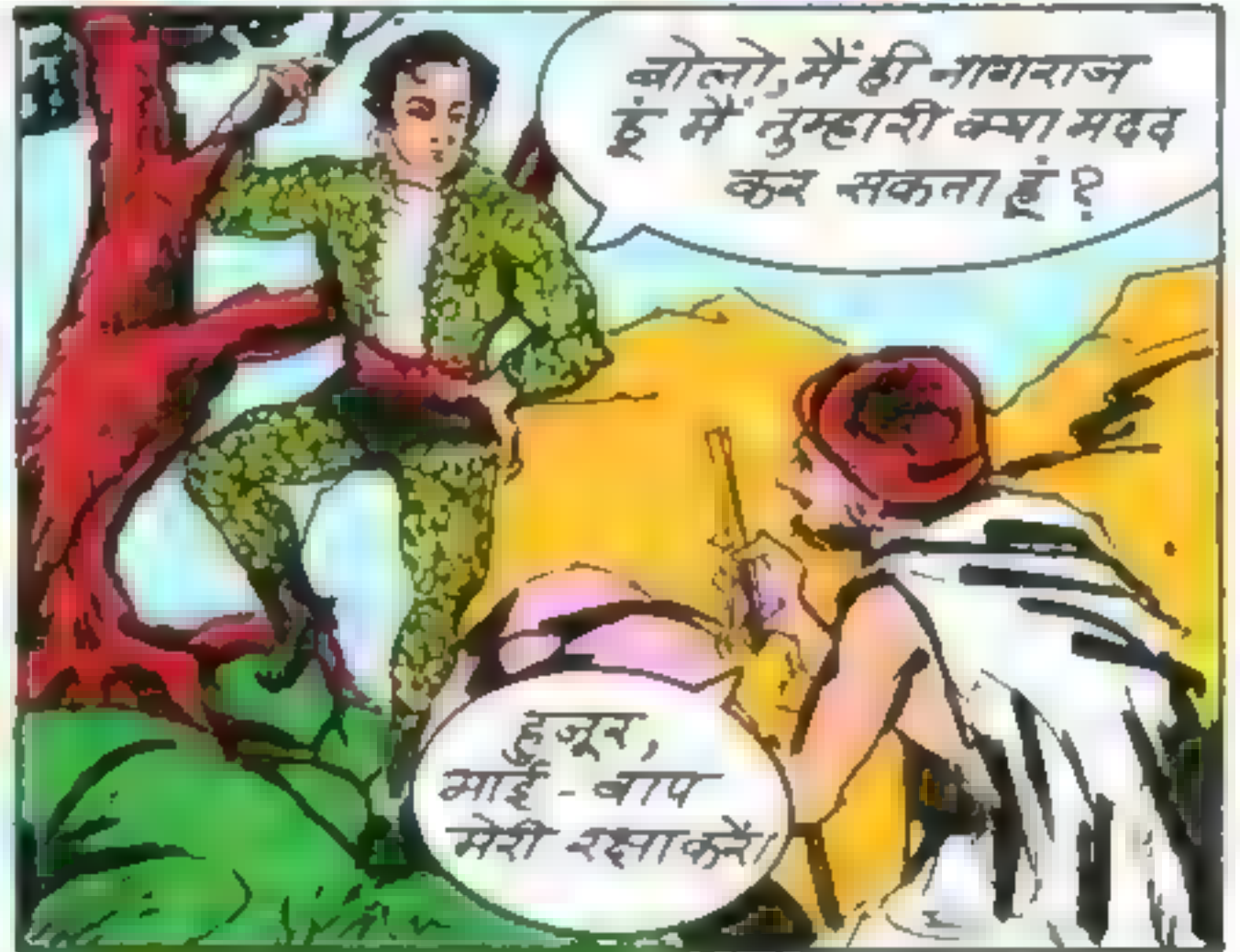
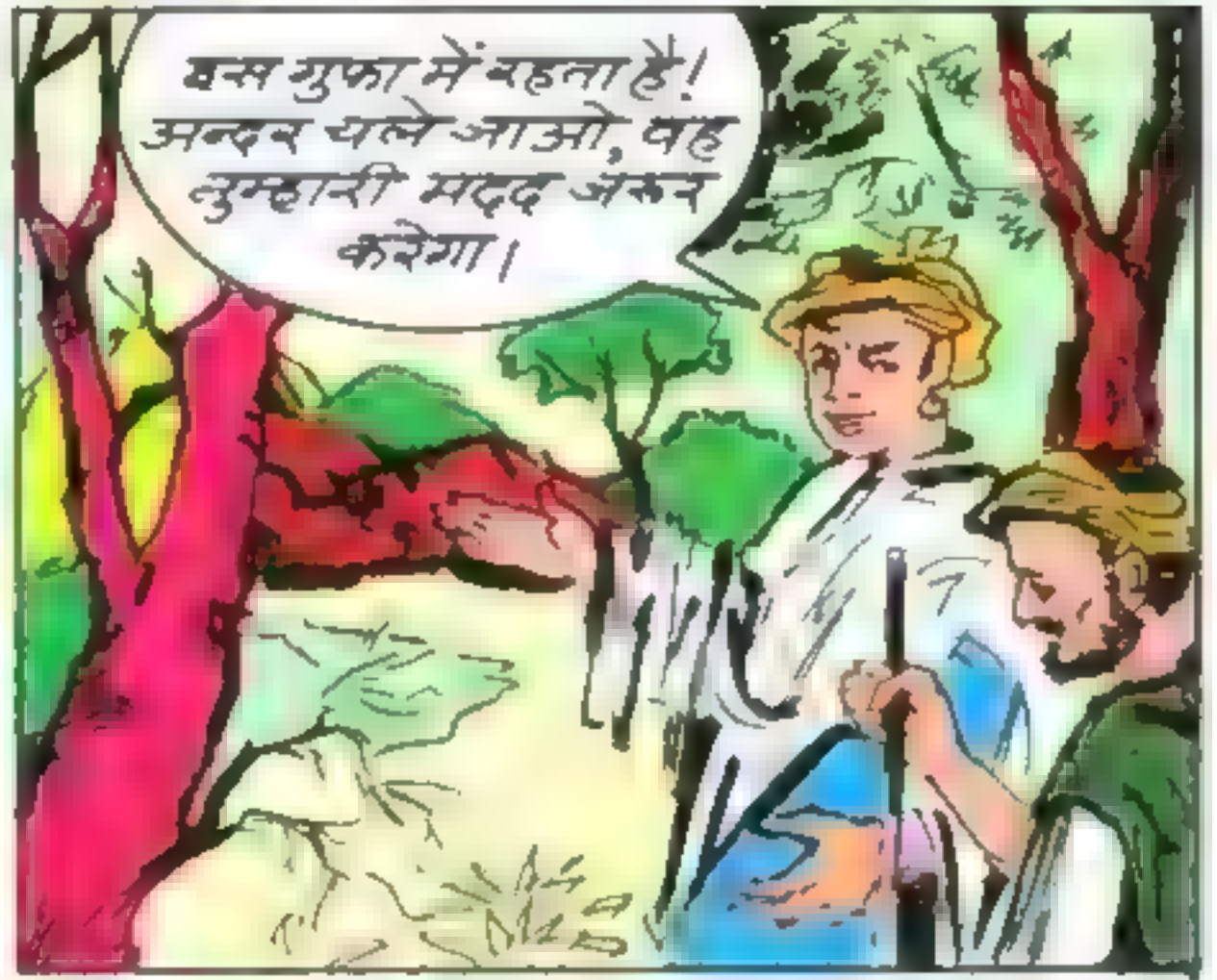




उधर महामंत्री किल्लौल को पता चला—







जासूस ने स्याई कैमरे से नागराज का फोटो खींच लिया जो उसने घोड़ाक में घाली से लगाया हुआ था।

मैं लकड़हारा हूँ, जंगल में मेरी कुटिया है... कुछ बदमाश पहले मेरी जवान लड़की को उठाकर ले गये फिर...

उसने नागराज को एक फर्जी कहानी सुना डाली।

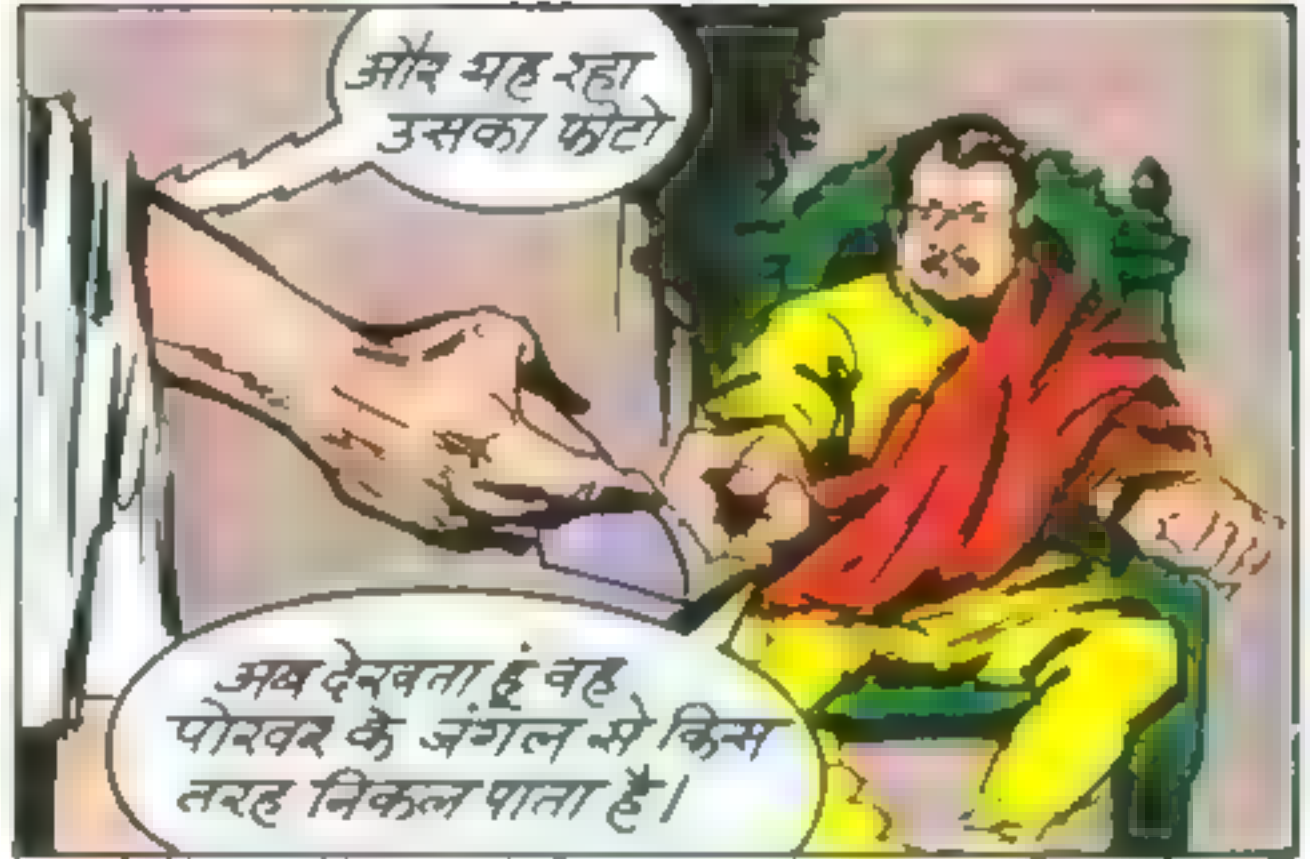


जासूस वापिस किल्लौल के पास पहुंचा।

कल वह पोरवर के जंगल आ जायेगा। उसने दो दिन वहां रहने का वादा किया है... मैंने कहा था कि बदमाश मेरी नई लड़की को उठाकर ले गये हैं और छोटी लड़की की फिराक में हैं।



और यह रहा उसका फोटो



अब देखता हूं वह पोरवर के जंगल से किस तरह निकल पाता है।

किल्लौल ने अपनी भोजना तैयार कर ली।

हुजूर, सुवांगनी एक विषकन्या है जो मर्द किसी के काबू में नहीं आता, सुवांगनी उसे बड़े सलीके से परलोक पहुंचा देती है। आप बस हुक्म करें, बाकी काम सुवांगनी खुद कर लेगी।

लड़की सुवांगनी! तुम्हें उस लकड़हारे की छोटी लड़की बनकर जंगल की कुदिया में नागराज के साथ रहना है।



मुझे यकीन है बुगरासी, इसीलिये तुम्हारी सेवा प्राप्त की है - सुवांगनी का काम होगा नागराज को परलोक पहुंचाना।



और अगर सुवांगनी सफल न हो सकी तो तुम्हारी गुरिल्ला फौज उसे ठिकाने लगायेगी।



उसके बावजूद भी नागराज बच गया तो वह महाराजा का दुश्मन होगा - क्योंकि उस पर हमला करने वाला सरकारी फौज का दस्ता होगा।



नागराज पोस्टर से जंगल की ओर रवाना हुआ -

मैं कम्पाली रियासत का दामन याक साफ करके ही जाऊंगा।

वाह! मेरा अभिवादन कर रहे हैं।



सुवांगनी ओपड़ी के दरवाजे पर मौजूद थी।

क्या आप ही देवता नागराज हैं?



हां- तुम कौन हो?

एक अभागेलक उहारे की बेटी... मेरे पिता की हत्या कर दी गयी। जब वे दम तोड़ रहे थे तो उन्होंने मुझे बताया कि आप हमें इन्साफ दिलायेंगे।

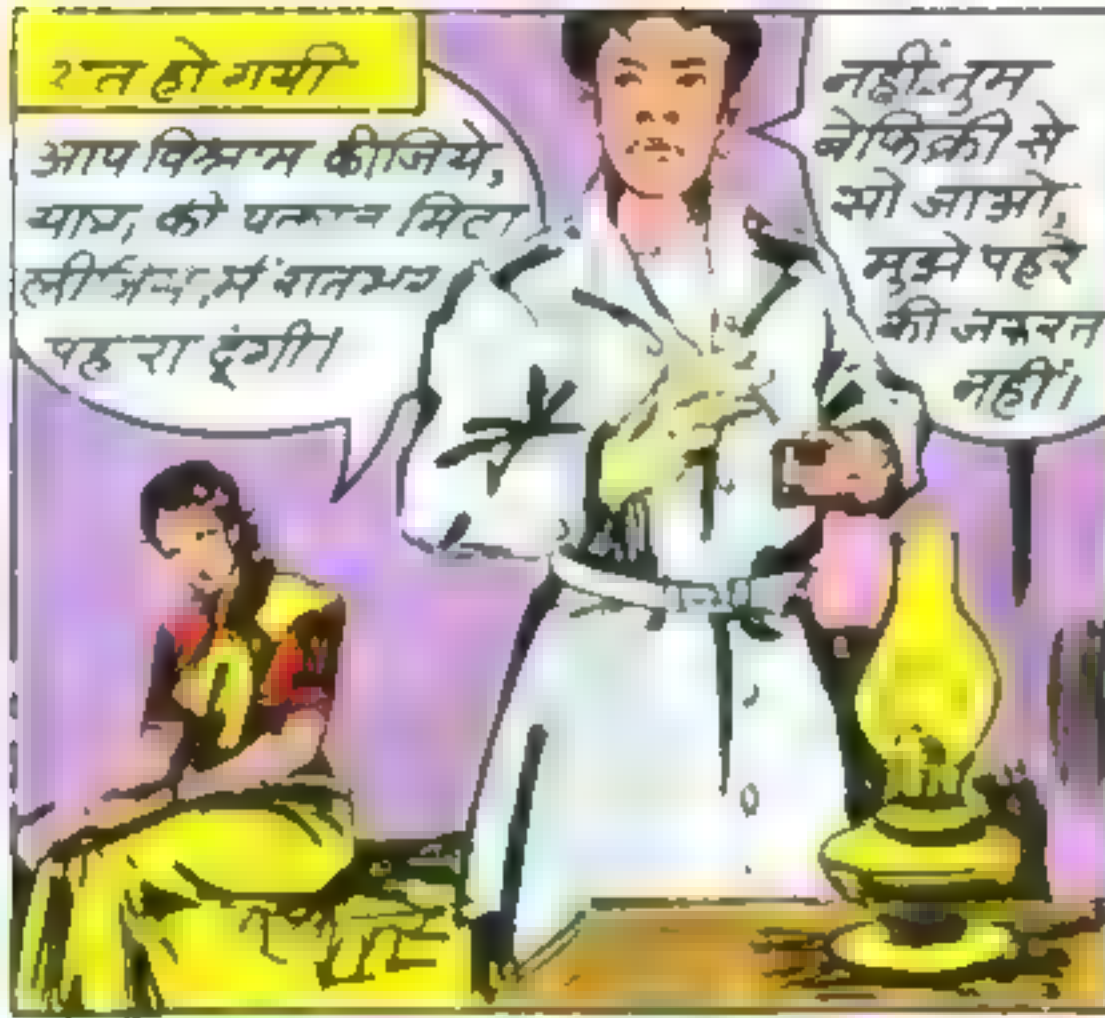
ओह! बदमाशों ने उनकी हत्या कर दी...?

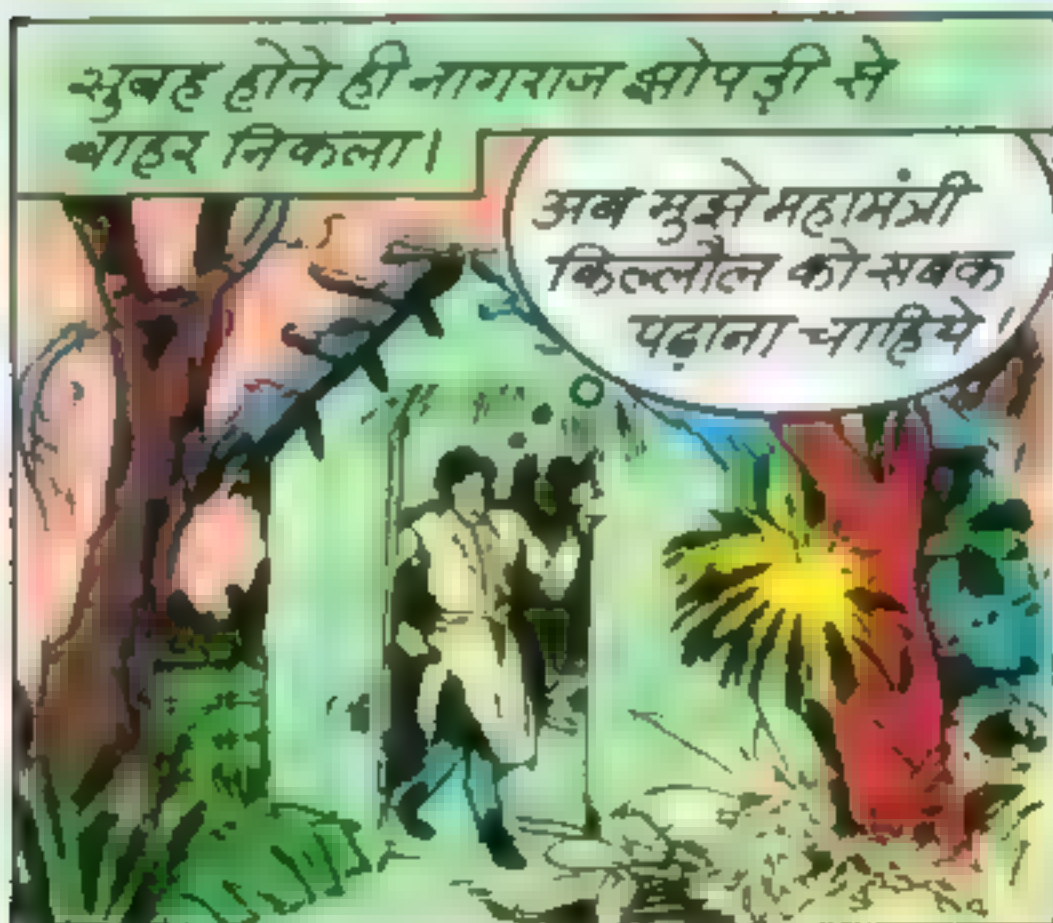


वे इस तरफ शिकार खेलने के बहाने आते रहते हैं।

इस बार शिकार उनका होगा और शिकारी मैं।









मेरी छठी इन्दी ने खतरे की गंध पा ली थी।

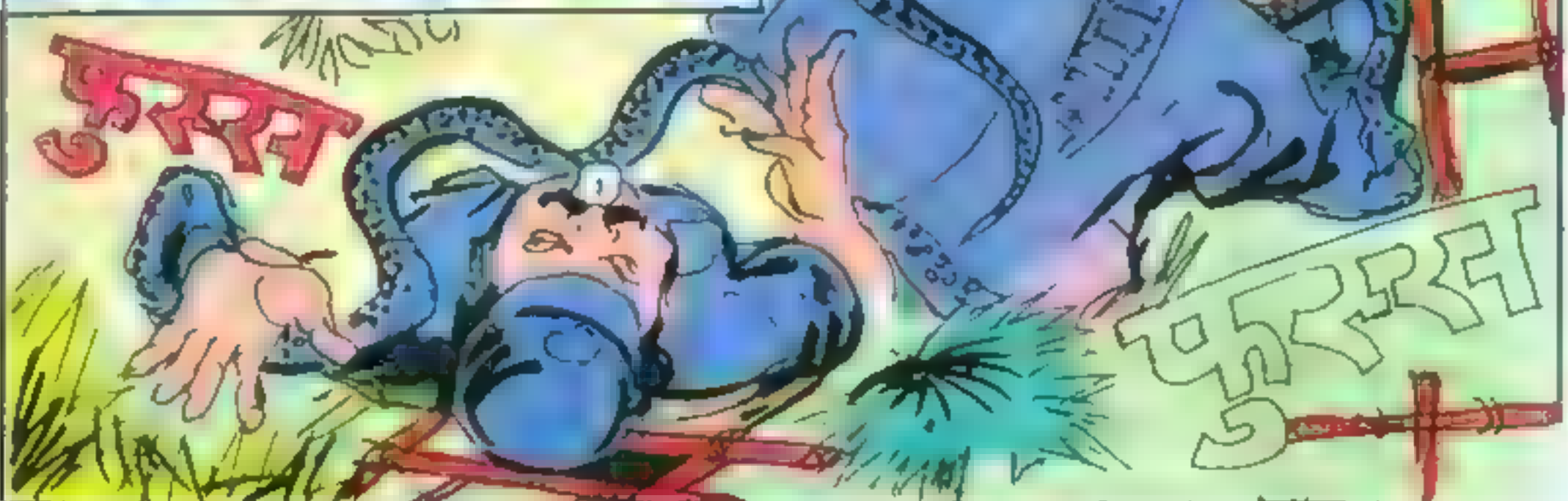


पूरा जंगल फायरिंग की आवाज से दहल उठा।



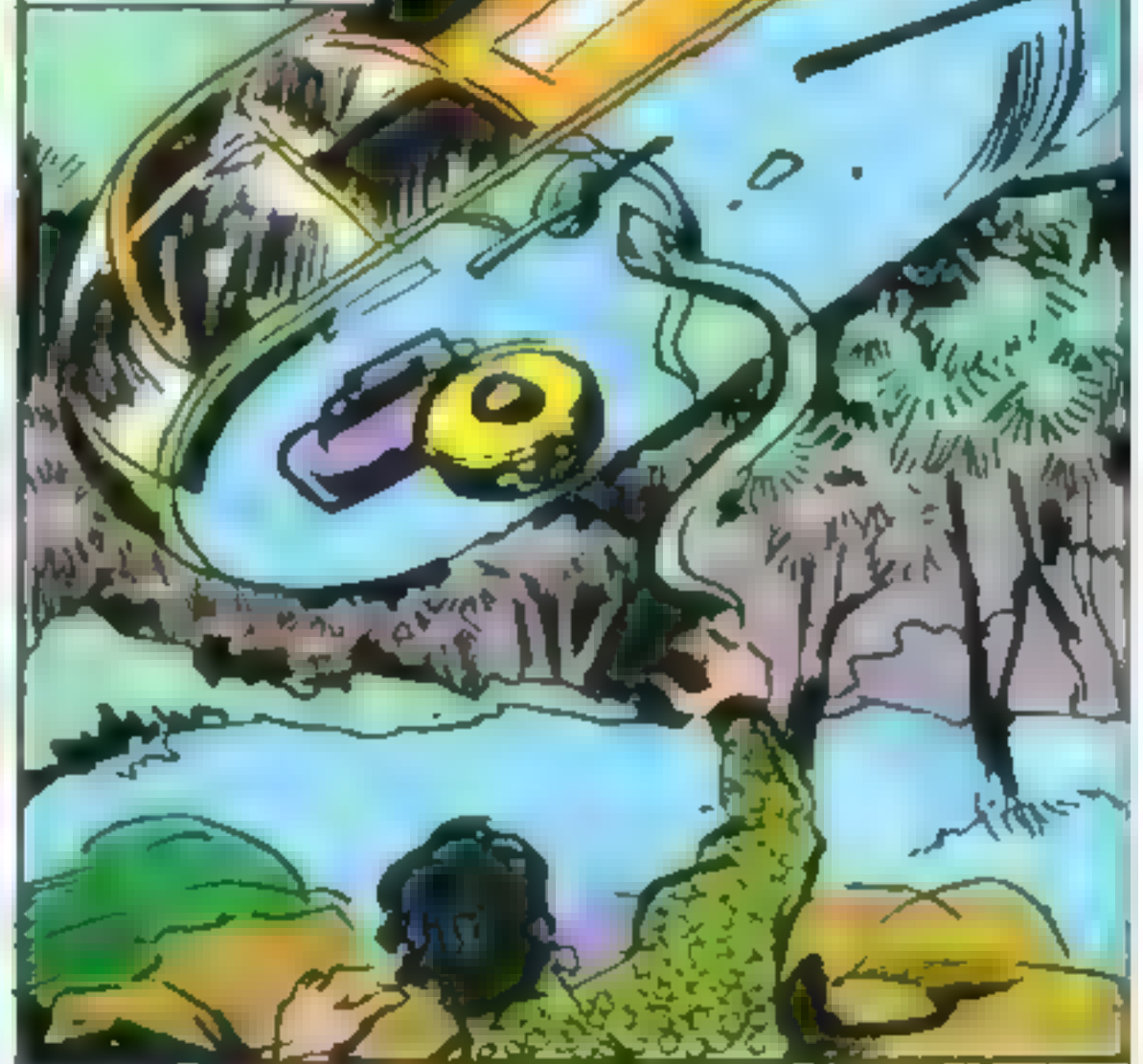
यह तो सरकारी वरदी के सैनिक हैं जो मुझे धेरकर मारने की कोशिश कर रहे हैं।

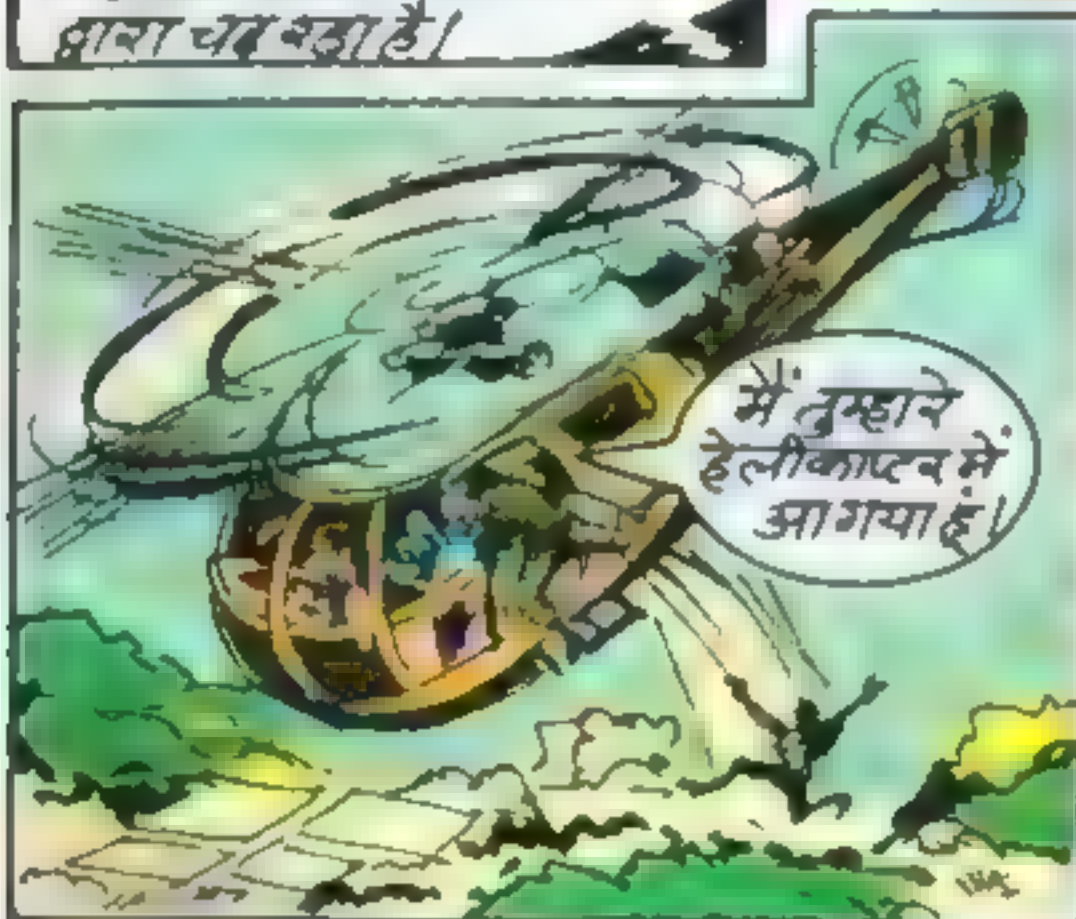
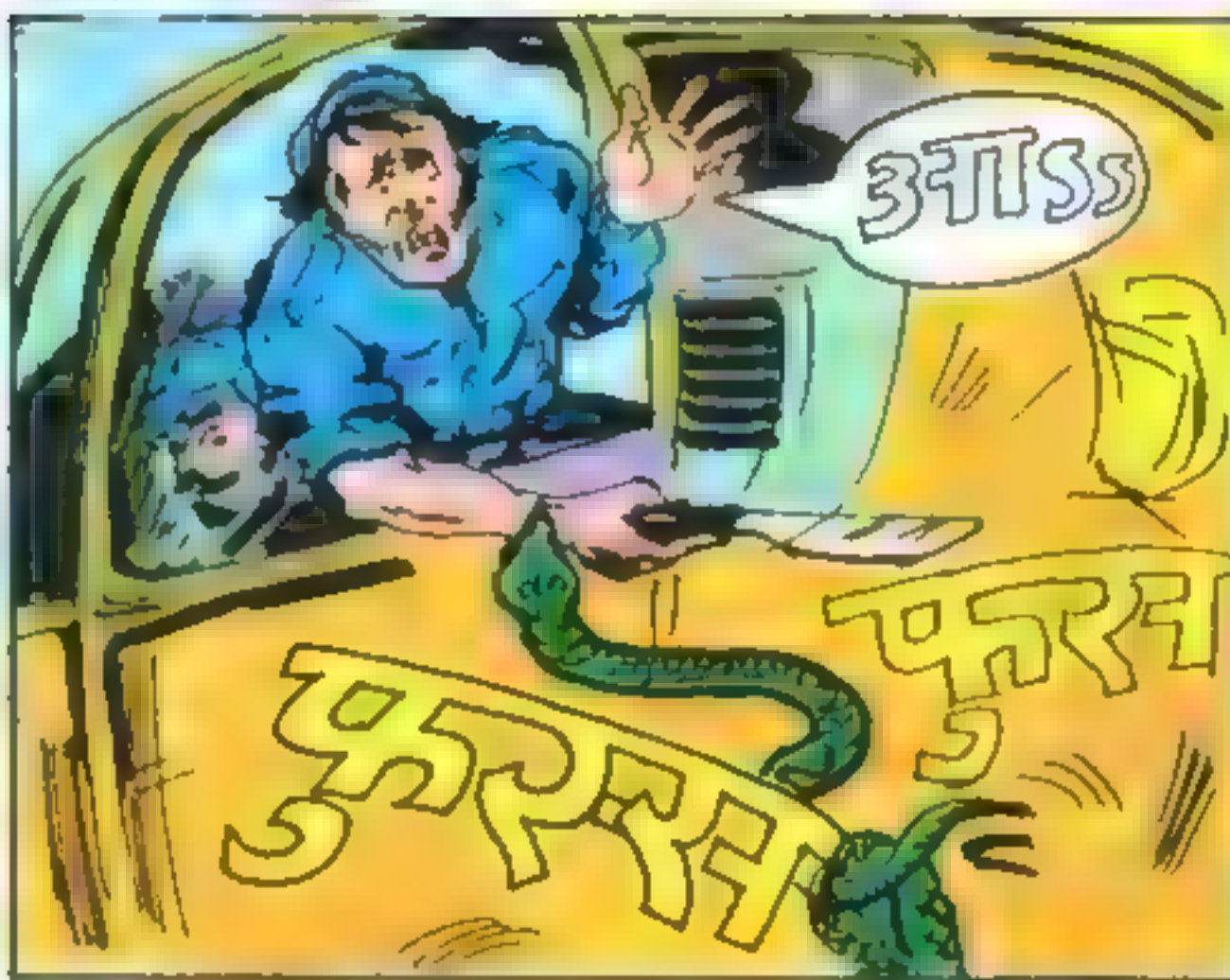


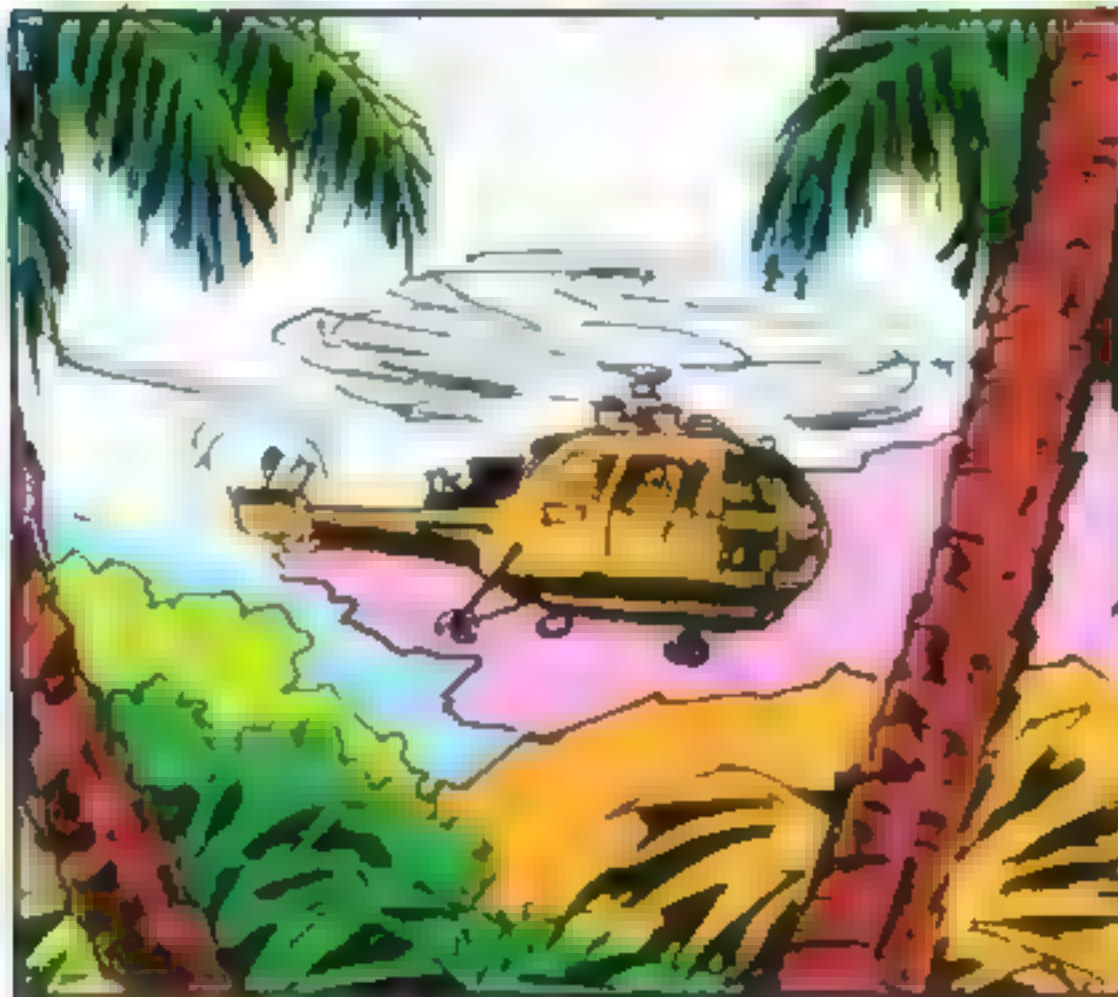
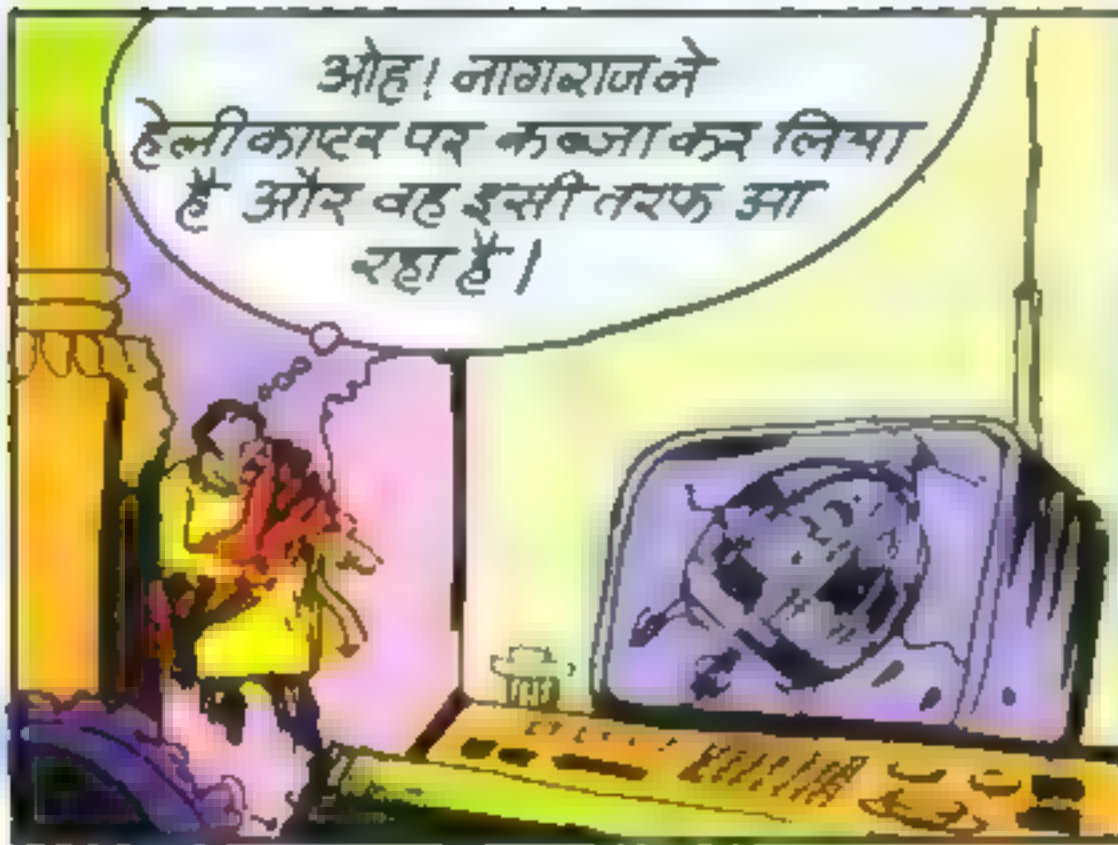




जैसे ही हेलीकाप्टर नीचे झुका ओवर करीब
आया, नागराज की नागरस्सी काप्टर पर
लपक पड़ी।

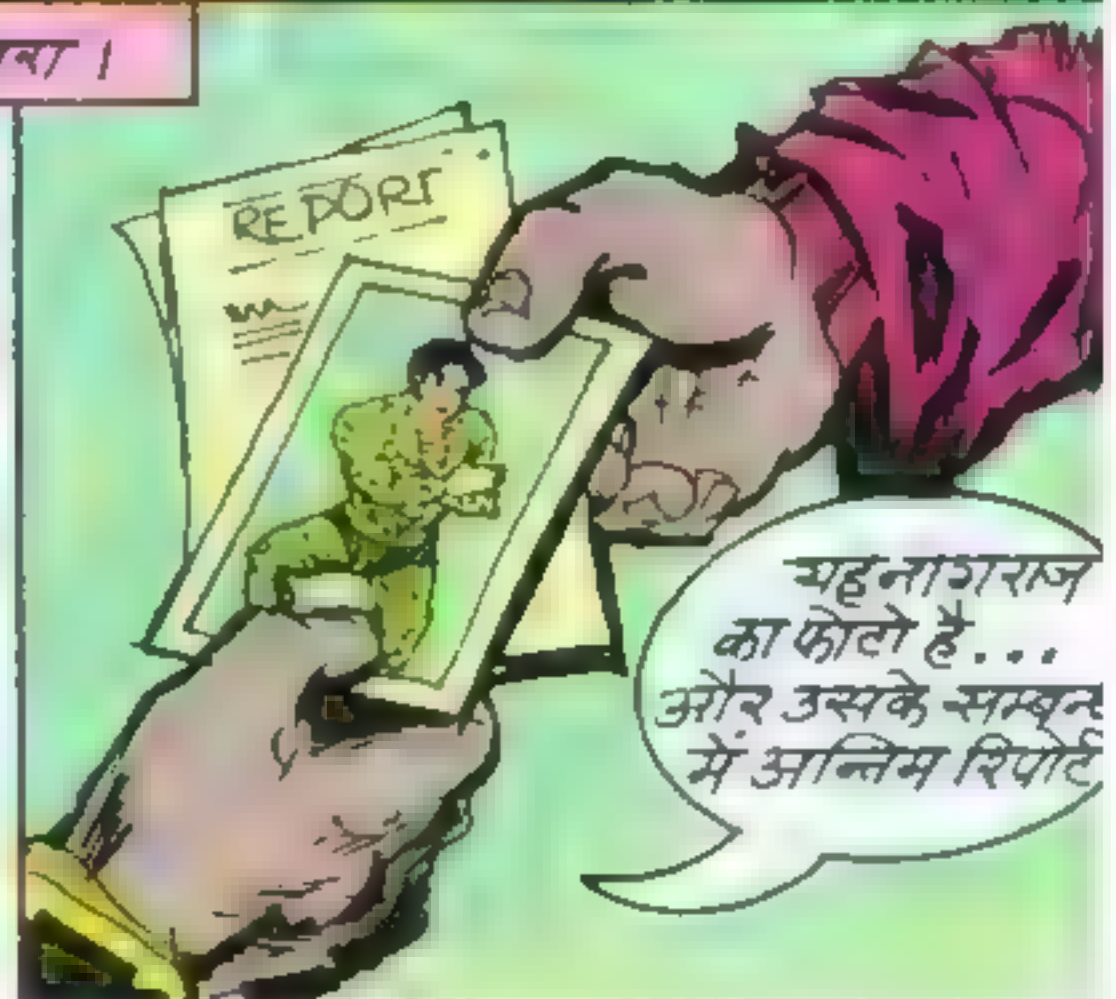
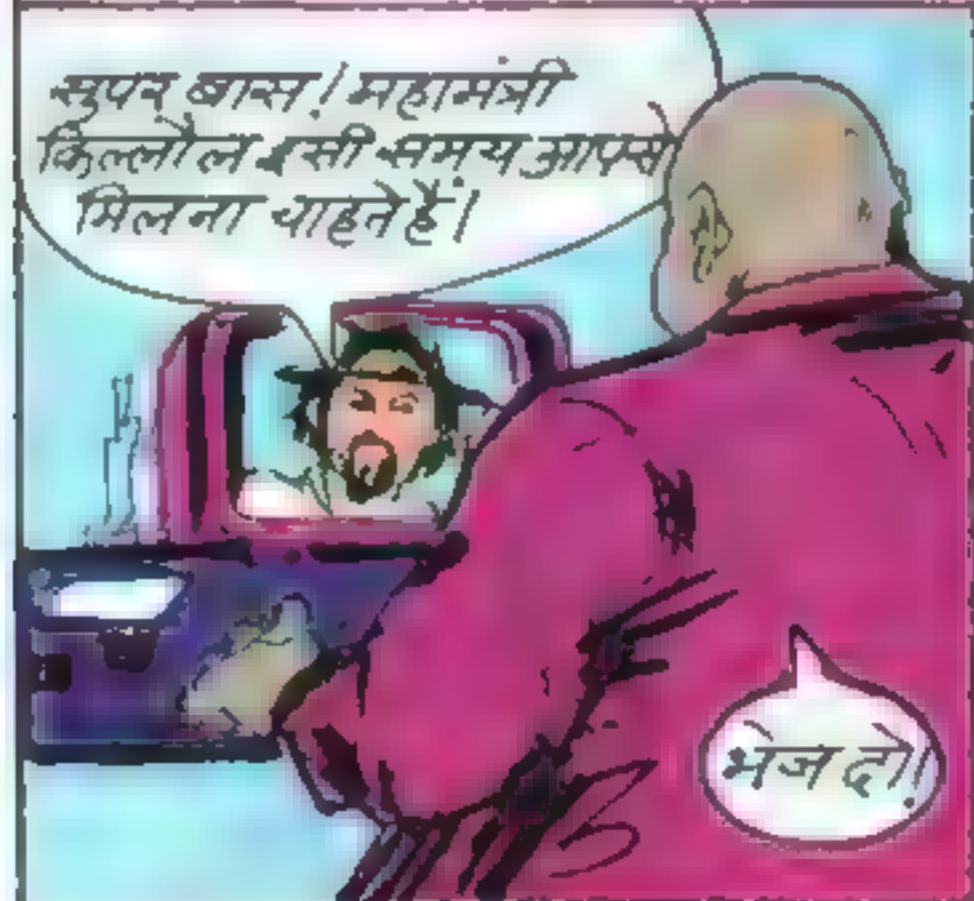






महामंत्री किल्लोल निजी हेलीकाप्टर से बुलडाग के किले की ओर रवाना होगया।

वह कम्पाली दर्रे के पुराने किले में उतरा।





बुनडाग ने किल्लोल को पूरी योजना समझा दी।

तुम यहा फतह पाओगे-
बस उसके बाद उसे
कम्पाली में कोई
राजकीय पद दे दो,
और फिर... वह
होगा जो हम
चाहेंगे क्योंकि
वह हमारा
आदमी बन
जायेगा



किल्लोल वापिस राजमहल
पहुंच गया।



यह नगरवासियों
की भीड़ कैसी?

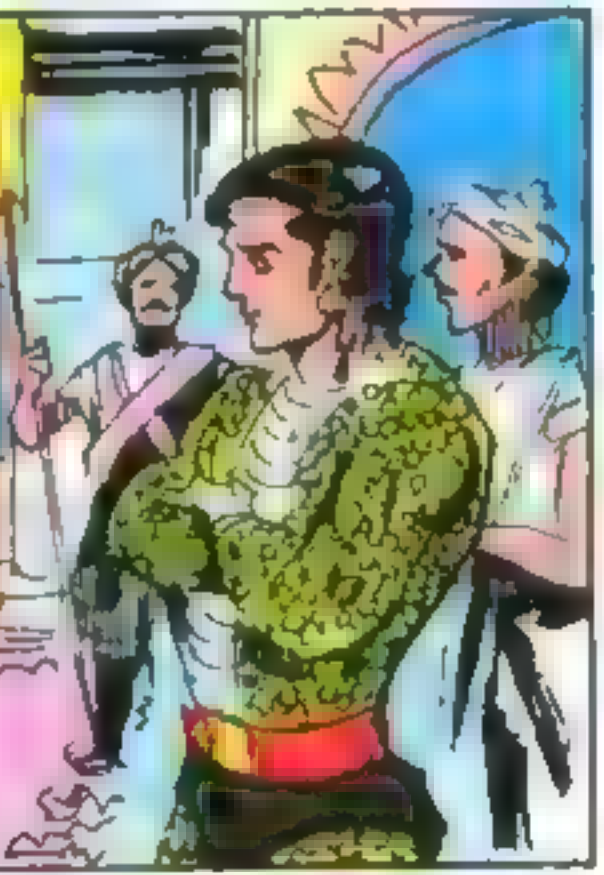


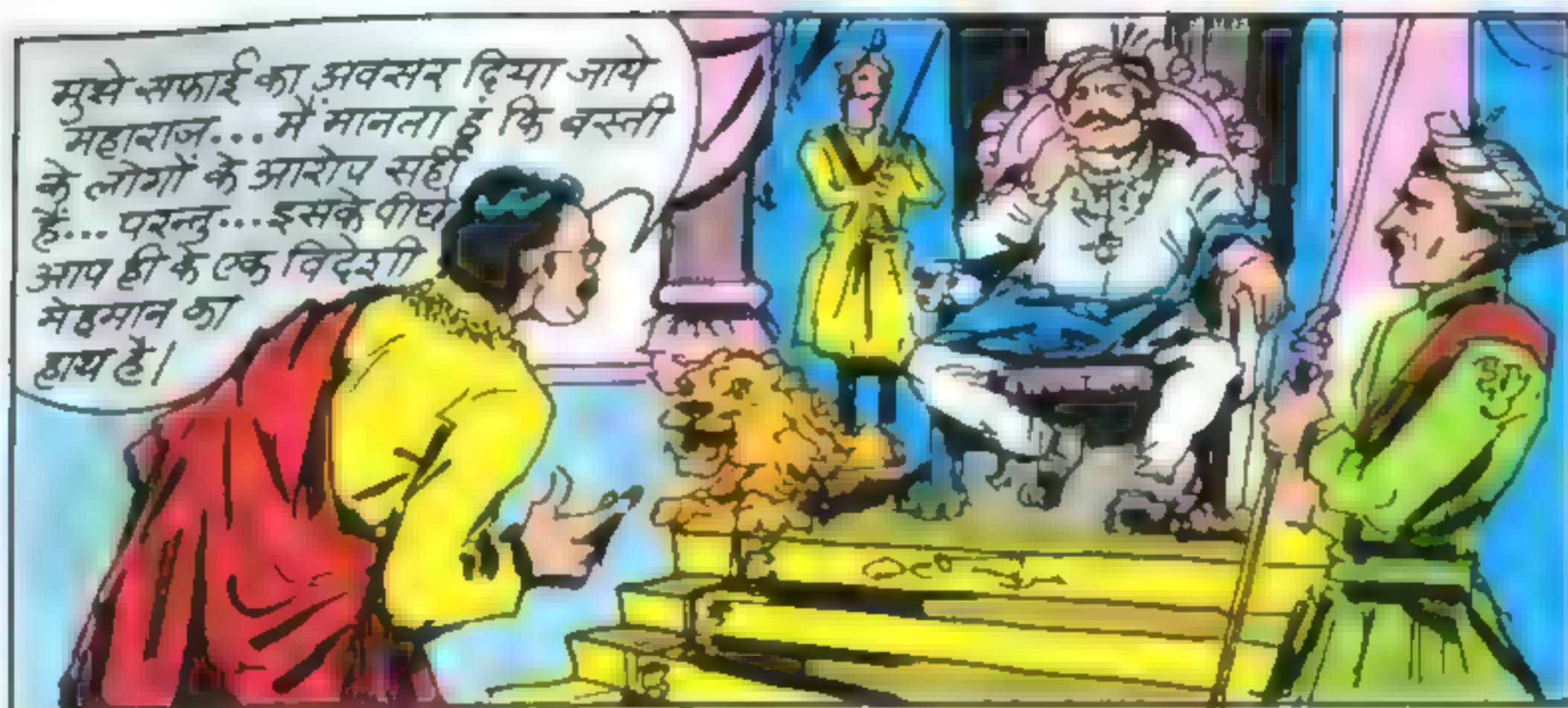
सब लोग महाराजा
से कहियाद करने आये
हैं और उनका नेतृत्व
नागराज कर रहा है।

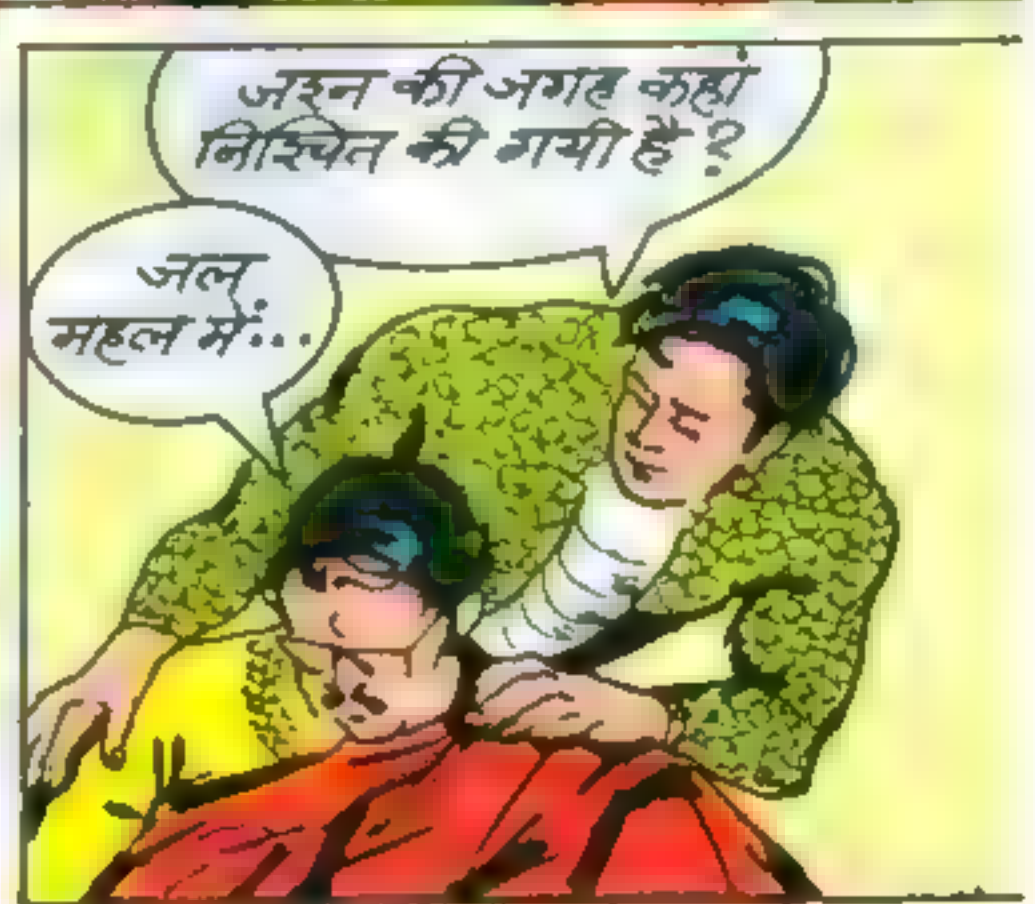
तुरन्त ही किल्लोल दरबार में पहुंचा।



आइये महामंत्रीजी,
पधारिये और सुनिये यह
नगरवासी क्या-क्या
शिकायतें लेकर आये
हैं, हमें इन बातों की काने
काने खबर नहीं
हुई।



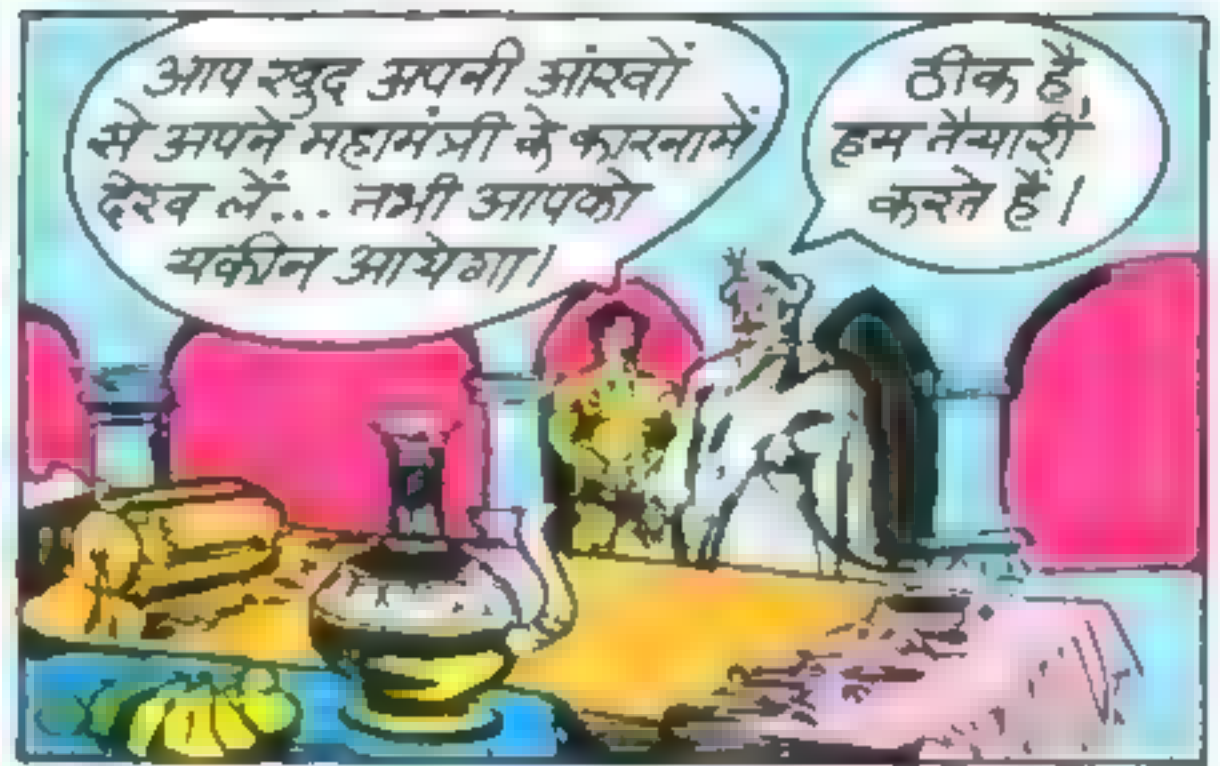






नागराज ने किल्लोल की योजना पर अमल किया।





नागराज और महाराजा कोरिल
ने फनकारों का भेष धरा और
जलमहल की ओर रवाना
हो गये।



जलमहल में पहरदारों ने उन्हें रोक लिया।



कुछ ही देर में -



नागराज महाराजा के साथ जहन हॉल में पहुंचा—









नगर वासी नागराज की जय-जय कार के नारे लगा रहे थे।



अगले सैट में पढ़िए -
नागराज की हांगकांग यात्रा